HALF YEARLY EXAMINATION : 2024 – 2025

CLASS : IX

SUBJECT : HINDI

NAME OF STUDENT : .... MAX.MARKS : 80

DATE : .... TIME : 3 HOURS

....

NOTE : You will Not be allowed to write during the first 15 minutes. This time is to be spent in reading the question paper. The time given at the head of this paper is the time allowed for writing the answers.

This paper comprises of two Sections – Section 'A' and Section 'B'. Attempt all the questions from Section 'A'. Attempt any four questions from Section 'B' . Answering at least one of the questions each from the two parts of the book Gadya and Kavya you have studied and any two other questions.

Section 'A' (40 Marks)

(Attempt all questions)

प्रश्न.1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए। (15)

i. यात्रा एक उत्तम रुचि है। यात्रा करने से ज्ञान तो बढ़ता ही है, स्थान विशेष की संस्कृति तथा परंपराओं का परिचय भी मिलता है। अपनी किसी यात्रा के अनुभव और रोमांच का वर्णन करते हुए एक प्रस्ताव लिखिए।

ii. 'सत्संगति मानव जीवन के लिए एक वरदान है', आप इस विषय से कहाँ तक सहमत हैं ? अपने विचार व्यक्त कीजिए।

iii. हर व्यक्ति के जीवन का कोई-न-कोई लक्ष्य होता है ; आपके जीवन का क्या लक्ष्य है ? इस विषय पर एक लेख लिखिए।

iv. विद्यार्थियों में दिन- प्रतिदिन बढ़ती अनुशासनहीनता के कारणों पर चर्चा करते हुए विद्यार्थी जीवन में अनुशासन की उपयोगिता पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

v. एक कहानी लिखिए, जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो - 'वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे'।

प्रश्न.2. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए। (07)

i. आपका बड़ा भाई डॉक्टर बनना चाहता है। वह ' मेडिकल प्रवेश परीक्षा ' की तैयारी में लगा है । वह परीक्षा में उत्तीर्ण हो, ऐसी शुभकामना व्यक्त करते हुए बड़े भाई को पत्र लिखिए ।

ii. आपके इलाके में डाक-वितरण ठीक प्रकार से नहीं हो रहा है। अपने क्षेत्र के पोस्टमास्टर को ठीक तरह से डाक वितरित किए जाने के संबंध में पत्र लिखिए।

प्रश्न.3. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए।

महान रसायनशास्त्री आचार्य नागार्जुन को अपनी प्रयोगशाला के लिए दो सहायकों की आवश्यकता थी। अनेक युवक उनके पास आए और निवेदन किया कि वे उन्हें अपने सहायक के रूप में नियुक्त कर लें। लेकिन परीक्षा लेने पर सभी प्रत्याशी अयोग्य साबित हुए। अंत में आचार्य निराश हो गए।

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

उनकी निराशा का कारण यह था कि युवकों में रसायनशास्त्र के ज्ञाता तो बहुत थे और अपने विषय से परिचित भी, लेकिन एक रसायन-शास्त्री के लिए जो एक पवित्र ध्येय होता है, उसका सभी में अभाव था। प्रत्याशियों में हर किसी को अपना भविष्य उज्ज्वल बनाना था। निराश होकर उन्होंने सहायक की जरूरत होते हुए भी स्वयं ही सारा कार्य करने का निश्चय किया।

कुछ दिन बाद ही दो युवक आचार्य के पास आए। उन्होंने उनसे निवेदन किया कि वे उन्हें अपना सहायक नियुक्त कर लें। आचार्य ने पहले तो उन्हें लौटा देना चाहा, लेकिन युवकों के अधिक आग्रह पर उन्होंने उनकी परीक्षा लेने का निश्चय किया। आचार्य ने दोनों युवकों को एक पदार्थ दिया। वे युवक पदार्थ लेकर अपने घर लौट गए।

दो दिन बाद एक युवक रसायन तैयार करके सुबह-सुबह ही उनके पास पहुँचा और रसायन का पात्र उन्हें देते हुए बोला, " लीजिए आचार्य जी, रसायन तैयार है। " रसायन के पात्र की ओर देखे बिना ही आचार्य ने प्रश्न किया, " तो रसायन तैयार कर लिया तुमने ?"

रसायन का पात्र एक ओर रखते हुए युवक ने कहा, "जी हाँ।" आचार्य ने दूसरा प्रश्न किया, " रसायन तैयार करते समय किसी भी प्रकार की कोई बाधा तो उपस्थित नहीं हुई ?" युवक ने सकुचाते हुए उत्तर दिया, "बाधाएँ तो बहुत आई थीं, लेकिन मैंने किसी भी बाधा की चिंता किए बिना अपना कार्य चालू ही रखा और रसायन तैयार कर लिया। यदि मैं बाधाओं में उलझ गया होता, तो रसायन तैयार नहीं हो सकता था। एक ओर तो पिता के पेट में शूल था। दूसरी ओर मेरी माता ज्वर से पीड़ित थीं। परन्तु ये बातें मुझे रसायन बनाने से विचलित नहीं कर सकीं।"

तभी दूसरा युवक खाली हाथ आकर वहाँ खड़ा हो गया। आचार्य ने उससे पूछा, "रसायन कहाँ है?" युवक ने झिझकते हुए उत्तर दिया, "आचार्य जी, मैं रसायन तैयार नहीं कर सका क्योंकि जाते समय मार्ग में एक वृद्ध व्यक्ति मिल गया था। वह सड़क दुर्घटना में घायल हो गया था। मेरा सारा समय उसकी सेवा में ही व्यतीत हो गया ।"

आचार्य ने पहले युवक से कहा, "तुम जा सकते हो। मुझे तुम्हारी आवश्यकता नहीं। रसायनशास्त्री यदि पीड़ा से कराहते हुए व्यक्ति की उपेक्षा करे, तो वह अपने शास्त्र में अपूर्ण है।" दूसरे व्यक्ति को उन्होंने अपना सहायक नियुक्त कर लिया। भविष्य में वही युवक उनका दायाँ हाथ बना और उन्हें अति प्रिय लगने लगा।

i. आचार्य नागार्जुन कौन थे और उन्हें किसकी आवश्यकता थी ? (2)

ii. आचार्य की निराशा का क्या कारण था ? निराश होकर उन्होंने क्या किया ? (2)

iii. रसायन तैयार करते समय पहले युवक के सामने कौन-सी बाधा उपस्थित हुई थी ? (2)

iv. दूसरा युवक रसायन क्यों तैयार नहीं कर सका और इससे उसके चरित्र का कौन-सा गुण स्पष्ट होता है ? (2)

v. आचार्य ने अपना सहायक किसे और क्यों चुना ? (2)

प्रश्न.4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए- (8)

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

i. ' अनुकूल ' का विलोम शब्द बताइए -

a) प्रतिकूल
b) बिलकुल
c) प्रतीकूल
d) प्रतीकुल

ii. ' अमृत ' का पर्यायवाची शब्द बताइए -

a) पुष्पा
b) सरिता
c) सुधा
d) गंगा

iii. ' कवि ' की भाववाचक संज्ञा बताइए -

a) कबीता
b) कवियित्रि
c) कवित्व
d) कवयित्री

iv. ' अधर्म ' का विशेषण बताइए -

a) धर्म
b) अधर्मी
c) धार्मिक
d) नास्तिक

v. ' उपलक्ष ' का शुद्ध रूप बताइए -

a) ऊपलछ
b) ऊपलक्ष
c) उपलक्ष्य
d) उपरलक्ष

vi. ' आपे से बाहर होना ' मुहावरे का अर्थ बताइए -

a) बहुत खुश होना
b) बहुत क्रोधित होना
c) खुशियाँ मनाना
d) तारीफ करना

vii. ' जो अनुकरण करने योग्य हो ' वाक्यांश के लिए एक शब्द बताइए -

a) अनुकरणीय
b) सम्मानित
c) आदरणीय
d) आदर्श

viii. मैं कलम से लिखूँगी। (भूतकाल में बदलिए।)

a) मैं कलम से लिख रहीं हूँ।
b) मैं कलम से लिखती हूँ ।
c) मैं कलम से लिख रही थी।
d) मैं कलम से लिखती रहूँगी।

Section 'B' (40)

(Attempt any four questions)

साहित्य सागर (गद्य-भाग)

प्रश्न.5. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

" अगर तुम्हें कोई ज़्यादा दे, तो अवश्य चले जाओ। मैं तनख्वाह नहीं बढ़ाऊँगा। "

बात अठन्नी की

लेखक - सुदर्शन

i. वक्ता कौन है ? उसका परिचय दीजिए। उसने उपर्युक्त वाक्य किस संदर्भ में कहा है ? (2)

ii. श्रोता कौन है ? उसने तनख्वाह बढ़ाने की प्रार्थना क्यों की ? (2)

iii. वेतन न बढ़ने पर भी रसीला बाबू जगतसिंह की नौकरी क्यों नहीं छोड़ना चाहता था ? (3)

iv. रसीला को रुपयों की आवश्यकता क्यों थी ? उसकी सहायता किसने की ? सहायता करने वाले के संबंध में उसके क्या विचार थे ? (3)

प्रश्न.6. ' एक दिन उसने ऊपर एक पतंग उड़ती देखी। न जाने क्या सोचकर उसका

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute
8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

हृदय एकदम खिल उठा।'

काकी

लेखक - सियारामशरण गुप्त

i. ' उसने '- से किसकी ओर संकेत किया गया है ? वह उदास क्यों रहा करता था ? (2)

ii. उड़ती हुई पतंग को देखकर उसका हृदय क्या सोचकर खिल उठा ? (2)

iii. पतंग मँगवाने के लिए उसने किनसे प्रार्थना की ? उसकी बात सुनकर उनकी क्या प्रतिक्रिया हुई ? (3)

iv. पतंग प्राप्त करने के लिए उसने किस उपाय का सहारा लिया और पतंग मँगवाने के लिए किसकी सहायता ली ? इसका क्या परिणाम निकला ? (3)

प्रश्न.7. अकस्मात् दिन फिरे और सेठ को गरीबी का मुँह देखना पड़ा। संगी-साथियों ने भी मुँह फेर लिया और नौबत यहाँ तक आ गई कि सेठ व सेठानी भूखों मरने लगे।

महायज्ञ का पुरस्कार

लेखक - यशपाल

i. सेठ के चरित्र की क्या विशेषताएँ थीं ? (2)

ii. उन दिनों क्या प्रथा प्रचलित थी ? सेठानी ने सेठ को क्या सलाह दी ? (2)

iii. ' संगी-साथियों ने भी मुँह फेर लिया ' - पंक्ति द्वारा समाज की किस दुर्बलता की ओर संकेत किया गया है ? (3)

iv. सेठानी की बात मानकर सेठ जी कहाँ गए ? धन्ना सेठ की पत्नी के बारे में क्या अफ़वाह थी ? (3)

साहित्य सागर (पद्य-भाग)

प्रश्न.8. निम्नलिखित पद्यांशों को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

सब धरती कागद करौं, लेखनि सब बनराय।
सात समंद की मसि करौं, गुरु गुन लिखा न जाय ।।

साखी

कवि - कबीरदास

i. कबीर की भक्ति भावना पर प्रकाश डालिए। (2)

ii. ' लेखनि सब बनराय ' का अर्थ स्पष्ट कीजिए। (2)

iii. कबीर ने गुरु के गुणों का बखान करने के लिए किन-किन वस्तुओं की कल्पना की है ? वे इस कार्य के लिए पर्याप्त क्यों नहीं हैं ? (3)

iv. शब्दार्थ लिखिए- समंद, मसि, लेखनि, बनराय, कागद, धरती । (3)

प्रश्न.9. रहिए लटपट काटि दिन, बरु घामे माँ सोय।
छाँह न बाकी बैठिये, जो तरु पतरो होय ।।
जो तरु पतरो होय, एक दिन धोखा देहैं।
जा दिन बहै बयारि, टूटि तब जर से जैहैं ।।
कह ' गिरिधर कविराय ' छाँह मोटे की गहिए।
पाती सब झरि जायँ, तऊ छाया में रहिए ।।

कुंडलियाँ

कवि - गिरिधर कविराय

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

i. कवि के अनुसार हमें किस प्रकार के पेड़ की छाया में नहीं बैठना चाहिए और क्यों ? (2)

ii. ' छाँह मोटे की गहिए ' से क्या तात्पर्य है ? ऐसा करने से क्या लाभ है ? (2)

iii. उपर्युक्त कुंडलियाँ द्वारा कवि क्या संदेश दे रहे हैं ? (3)

iv. ' रहिए लटपट काटि दिन, बरु घामे माँ सोय ' - पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए। (3)

प्रश्न.10. धर्मराज यह भूमि किसी की
नहीं क्रीत है दासी
है जन्मना समान परस्पर
इसके सभी निवासी।
सबको मुक्त प्रकाश चाहिए
सबको मुक्त समीरण
बाधा रहित विकास, मुक्त
आशंकाओं से जीवन।

स्वर्ग बना सकते हैं

कवि- रामधारी सिंह 'दिनकर'

i. कौन किसे उपदेश दे रहा है ? वक्ता ने उसे धर्मराज क्यों कहा है ? (2)

ii. उपर्युक्त पंक्तियों में ' भूमि ' के संबंध में क्या कहा गया है तथा क्यों ? (2)

iii. कवि के अनुसार मानवता के विकास के लिए क्या-क्या आवश्यक है ? (3)

iv. उपर्युक्त पंक्तियों का भावार्थ स्पष्ट कीजिए। (3)

END